

9/2/21

पत्रावली सुन्दर। वकील पारिजात अरुण
कार-कार भाषाजे लगते पर न, तो वकील
पारिजात न, ही वाकीण न-प्रपालप के लक्ष
पेस हों। अतः वाद-वाकीण अदल लाली
अदल पेकी के कडिज किफ आता है पत्रावली
निपट्टुकर वाकि ल दमर होत नकर ले
कर है।



